भारत सरकार

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा

तारांकित प्रश्न संख्या: 79*

दिनांक 07 फरवरी, 2025 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

तपेदिक उन्मूलन अभियान

†79. **श्रीमती अपराजिता सारंगी:**

श्रीमती बिजुली कलिता मेधी:

क्या **स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) सरकार 100-दिवसीय तपेदिक उन्मूलन अभियान (तपेदिक मुक्त भारत अभियान) के तहत, विशेषकर स्वास्थ्य परिचर्या संबंधी सीमित बुनियादी ढांचे वाले ग्रामीण और जनजातीय क्षेत्रों तथा हिमाचल प्रदेश सहित देश में तपेदिक से संबंधित निदान, उपचार और इससे संबंधित अन्य सेवाओं तक निष्पक्ष सुलभता सुनिश्चित करने के लिए किस प्रकार कार्य कर रही है;

(ख) हिमाचल प्रदेश और छत्तीसगढ़ सहित देश में जनता को तपेदिक के लक्षणों, उसकी रोकथाम और समय पर उपचार के महत्व के बारे में शिक्षित करने और जागरूकता बढ़ाने के लिए किए गए प्रचार और प्रयासों का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या उक्त 100-दिवसीय अभियान से देश में तपेदिक के उन्मूलन के लिए दीर्घकालिक कार्यनीतियों में सहायता मिलती है और यदि हां, तो झारखंड में चतरा सहित तत्संबंधी राज्यवार ब्यौरा और स्थिति क्या है; और

(घ) क्या मध्य प्रदेश के सीधी संसदीय निर्वाचन क्षेत्र सहित जनजाति बहुल क्षेत्रों में तपेदिक की जांच और उसके उपचार के संबंध में लोगों में जागरूकता बढ़ाने के लिए कोई प्रयास किए गए हैं?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री

(श्री जगत प्रकाश नड्डा)

(क) से (घ): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

7 फ़रवरी, 2025 को उत्तर के लिए लोक सभा तारांकित प्रश्न संख्या 79 के उत्तर में संदर्भित विवरण

(क) से (घ): सरकार ने क्षयरोग से संबंधित सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के प्रयासों में तेजी लाने के लिए हिमाचल प्रदेश के 8 जिलों सहित 33 राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में चिह्नित 347 प्राथमिकता वाले जिलों में 100 दिनों का गहन *टीबी मुक्त भारत अभियान* शुरू किया है। अभियान वाले कुल जिलों में से 38 जनजातीय जिले हैं, 27 खनन जिले हैं और 46 आकांक्षी जिले हैं। इस अभियान में छूटे हुए टीबी मामलों का पता लगाने, टीबी से होने वाली मौतों को कम करने और नए मामलों को रोकने के लिए एक नए दृष्टिकोण का अनुपालन किया गया है। समान पहुंच सुनिश्चित करने के लिए, मोबाइल मेडिकल वैन के माध्यम से या एक्स-रे से सुसज्जित निकटतम स्वास्थ्य सुविधा केंद्र में ले जाकर, कमजोर आबादी की जांच करने के लिए, एक्स-रे और न्यूक्लिक एसिड एम्प्लीफिकेशन टेस्ट (एनएएटी) परीक्षणों की पेशकश करने के लिए विशेष आउटरीच शिविरों का आयोजन किया जाता है। टीबी से जुड़ी सभी सेवाओं को आयुष्मान आरोग्य मंदिर के स्तर तक विकेंद्रीकृत किया गया है।

हिमाचल प्रदेश, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश सहित अभियान वाले राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में टीबी के लक्षणों, रोकथाम और समय पर उपचार के महत्व के बारे में जनता को शिक्षित करने और जागरूकता बढ़ाने के लिए अभियान विशिष्ट सूचना, शिक्षा और संचार (आईईसी) सामग्री विकसित और प्रसारित की गई है। *जन भागीदारी कार्यकलापों* को स्कूलों, पंचायती राज संस्थाओं, स्वयं-सहायता समूहों, आंगनवाड़ियों, स्थानीय गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ) और नागरिक समाज संगठनों की भागीदारी से लागू किया जाता है। अभियान कार्यकलापों के कार्यान्वयन में सक्रिय रूप से सहायता करने के लिए 22 संबंधित विभागों को सुग्राही बनाया गया है। इसके अतिरिक्त, मंत्रालय ने संसद सदस्यों, मुख्य मंत्रियों और राज्य के स्वास्थ्य मंत्रियों को भी इस अभियान के प्रति सुग्राही बनाया है।

347 जिलों में 100 दिनों के गहन टीबी उन्मूलन अभियान के शुभारंभ से अब तक, 4.94 लाख नि-क्षय शिविर आयोजित किए गए हैं, 5.63 करोड़ कमजोर व्यक्तियों की जांच की गई है और 1.59 लाख नए टीबी रोगियों को अधिसूचित किया गया है। इसके अलावा, 86,748 नए नि-क्षय मित्रों को पंजीकृत किया गया है और टीबी रोगियों और उनके परिवार के सदस्यों को 1.12 लाख खाद्य-सामग्री पैकेट वितरित किए गए हैं।

7 दिसंबर, 2024 को अभियान के शुभारंभ के बाद से, उपलब्ध जानकारी के अनुसार, संचार कार्यकलापों और जनता को शिक्षित करने के लिए किए गए प्रयासों का विवरण इस प्रकार है:

- 110 सांसदों (एमपी), 426 विधान सभा सदस्यों (एमएलए) और 27,949 विधान परिषद सदस्यों (एमएलसी) और निर्वाचित पंचायती राज प्रतिनिधियों ने इस अभियान में भाग लिया।

- 4,173 स्कूलों में छात्रों और शिक्षकों के साथ सुग्राहीकरण सत्र आयोजित किए गए।
- संबंधित मंत्रालयों और अन्य सरकारी विभागों के साथ 12,402 जागरूकता कार्यकलाप आयोजित किए गए।
- सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों (पीएसयू), ट्रेड एसोसिएशनों और व्यापार संघों के साथ 13,972 कार्यकलाप आयोजित किए गए।
- निजी स्वास्थ्य चिकित्सकों के लिए 1,722 सतत चिकित्सा शिक्षा (सीएमई) सत्र आयोजित किए गए।
- 17,956 बड़ी स्थापनाओं जैसे कारावास, खनन क्षेत्र, चाय बागानों, उद्योगों, अनाथालयों, वृद्धाश्रमों आदि में स्क्रीनिंग और परीक्षण कार्यकलाप आयोजित किए गए।
- जनमत रखने वाले नेताओं, समुदाय प्रभावकों, धार्मिक संगठनों और आस्था-आधारित संगठनों द्वारा 15382 जागरूकता कार्यकलाप किए गए।

प्राथमिकता वाले जिलों में 100 दिनों का *टीबी मुक्त भारत अभियान*, टीबी रोकथाम, शीघ्र पहचान, त्वरित उपचार और टीबी से संबंधित मृत्यु दर में कमी की दीर्घकालिक टीबी उन्मूलन कार्यनीतियों से संबद्ध है। कमजोर आबादी की मैपिंग, चेस्ट एक्स-रे जैसे अत्यधिक संवेदनशील उपकरणों के साथ स्क्रीनिंग, सभी संभावित टीबी मामलों की अपफ्रंट एनएएटी जांच और उच्च जोखिम वाले टीबी मामलों के प्रबंधन के लिए टीबी रोगियों की अलग से परिचर्या- ये सभी टीबी उन्मूलन की दीर्घकालिक कार्यनीतियों के ही अंग हैं। अभियान कार्यनीतियों को टीबी मामलों और मृत्यु-दर में त्वरित कमी लाने और टीबी उन्मूलन दीर्घकालिक राष्ट्रीय लक्ष्यों में सहयोग करने के लिए तैयार किया गया है।

*****